



सांध्य दैनिक 4PM



अगर आप सूर्य की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूर्य की तरह जलना सीखो !
-ए पी जे अब्दुल कलाम

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की



www.4pm.co.in



www.facebook.com/4pmnewsnetwork



@Editor_SanjayS



YouTube



@4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 247 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 15 अक्टूबर, 2026

भारत की हार, वेस्टइंडीज की सीरीज... 7 झारखंड में बीजेपी ने 2029 के... 3 भाजपा फर्जी वोट को अपनी ताकत... 2

‘सैंसर बोर्ड अब तारीख नहीं फैसला दीजिए’ ‘सहिया’ पर हाईकोर्ट का समयबद्ध आदेश

» मई में आवेदन, अगस्त में इनकार, महीनों तक इंतजार अब फैसला 27 अक्टूबर को, 2 नवम्बर को अगली सुनवाई

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। फिल्म ‘सहिया’ के प्रमाणन को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद में बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। निर्माता और निर्देशक संजय शर्मा की ओर से दी गई सुनवाई की जानकारी के अनुसार, अदालत ने केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को निर्देश दिया है कि फिल्म पर अंतिम निर्णय 27 अक्टूबर तक जारी किया जाए। बोर्ड के निर्णय के संबंध में अगली सुनवाई 2 नवंबर को होगी। संजय शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल हुए। अधिवक्ता एसएम हैदर, अब्दुल तल्हा, मोहम्मद शाज और अधिवक्ता सुरभि ने भी उनकी ओर से पैरवी की। सिर्फ कमेटी गठित करने के प्रस्ताव पर अधिवक्ताओं ने जताई आपत्ति सुनवाई के दौरान सेंसर बोर्ड के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि 27 अक्टूबर को रिवाइजिंग कमेटी का गठन किया जाएगा। संजय शर्मा के अधिवक्ताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि केवल कमेटी के गठन की तारीख बताने से फिल्म पर निर्णय की समयसीमा तय नहीं होती। कमेटी फिल्म कब देखेगी और अपना निर्णय कब देगी, यह फिर अनिश्चित रह जाएगा।

निर्माता की ओर से अदालत का ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया गया कि प्रमाणन के लिए मई में आवेदन किया गया था। इसके बाद कई महीने बीत चुके हैं और फिल्म की रिलीज प्रभावित हो रही है। अधिवक्ताओं ने कहा कि प्रक्रिया को आगे बढ़ाते रहने के बजाय अब निश्चित समयसीमा में अंतिम निर्णय आवश्यक है। संजय शर्मा की ओर से साझा किए गए विवरण के मुताबिक, अदालत ने समयबद्ध निर्णय की आवश्यकता स्वीकार करते हुए

नेतरहाट के जंगलों में फिल्माई गई कहानी बड़े कलाकारों की मौजूदगी

सहिया की शूटिंग झारखंड के नेतरहाट और आसपास के जंगलों तथा प्राकृतिक स्थलों पर की गई है। फिल्म में नीरज काबी, शांतनु माहेश्वरी, रिकू राजगुरु और इशिताका खान जैसे नामी कलाकारों ने किरदार निभाए हैं। फिल्म की पृष्ठभूमि और कथानक इसे केवल प्रेम कहानी तक सीमित नहीं रखते। हिंसा से प्रभावित समाज में आम लोगों की जिंदगी उनके निजी रिश्ते और भय के बीच उम्मीद बनाए रखने की जद्दोजहद इसकी कहानी का हिस्सा है। निर्माता संजय शर्मा का कहना है कि फिल्म का संदेश इसी मानवीय संघर्ष को समझने में छिपा है।

14

अक्टूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

27

अक्टूबर तक फैसला ले लेने का टाइम लाक कर दिया है।

निर्देश दिया कि आवश्यक कमेटी का गठन पहले किया जाए और 27 तक फिल्म के प्रमाणन पर अंतिम आदेश जारी हो। इसके बाद दो नवंबर को मामले की अगली सुनवाई होगी। ‘सहिया’ के प्रमाणन के लिए 30 मई 2026 को आवेदन किया गया था। निर्माता के अनुसार, इसके बाद फिल्म की स्क्रीनिंग, परीक्षण और पुनरीक्षण की प्रक्रिया चली। जुलाई में पहली स्क्रीनिंग हुई और अगस्त में पुनरीक्षण समिति के समक्ष फिल्म रखी गई। 27 अगस्त को फिल्म को प्रमाणपत्र देने से इनकार कर दिया गया।

कपिल सिब्बल की पैरवी अब बोर्ड के फैसले पर निगाहें

संजय शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल हुए। अधिवक्ता एसएम हैदर, रिजवी, तल्हा, अब्दुल रहमान मोहम्मद शाज और अधिवक्ता सुरभि ने

भी उनकी ओर से पैरवी की। निर्माता की ओर से अदालत में उठाए गए प्रमुख सवालों में प्रमाणन प्रक्रिया में लगा समय कमेटी के गठन और अंतिम निर्णय के बीच अनिश्चितता तथा फिल्म की रिलीज पर पड़ने वाला असर शामिल रहा। सुनवाई के बाद अदालत ने 27 अक्टूबर तक अंतिम निर्णय जारी करने का निर्देश दिया। संजय शर्मा ने अदालत के निर्देश को महत्वपूर्ण बताते हुए अपनी पैरवी करने वाले कपिल सिब्बल

और पूरी अधिवक्ता टीम के प्रति आभार जताया। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि बोर्ड फिल्म की पूरी कहानी और उसके मानवीय पक्ष को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष निर्णय करेगा। अब इस मामले में अगली तारीखों का महत्व साफ है। 27 अक्टूबर तक बोर्ड को अपना अंतिम निर्णय देना है और 2 नवंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में मामले की अगली सुनवाई होगी। उस दिन तक बोर्ड का रुख सामने आ चुका होगा और विवाद की आगे की दिशा भी अधिक स्पष्ट हो सकेगी।

कमेटी बनेगी लेकिन फिल्म का फैसला कब होगा?

आज की सुनवाई के दौरान सेंसर बोर्ड की ओर से अदालत को बताया गया कि 27 अक्टूबर को रिवाइजिंग कमेटी का गठन किया जाएगा। निर्माता की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि कमेटी के गठन की तारीख तय होने भर से विवाद का समाधान नहीं होगा। असली सवाल यह है कि कमेटी फिल्म कब देखेगी और प्रमाणन पर अपना निर्णय कब देगी। यानी मामला केवल कमेटी बनाने का नहीं बल्कि पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का है। यदि कमेटी के गठन के बाद भी फिल्म देखने और निर्णय देने की तारीख स्पष्ट नहीं होती तो अनिश्चितता आगे भी बनी रह सकती थी। निर्माता निर्देशक संजय शर्मा की ओर से इसी समस्या को अदालत के सामने रखा गया। उनके पक्ष का कहना था कि प्रमाणन की प्रक्रिया पहले ही कई महीने ले चुकी है और अब निर्माता को एक निश्चित समयसीमा की जरूरत है। अदालत के निर्देश के मुताबिक बोर्ड को आवश्यक कमेटी का गठन कर 27 अक्टूबर तक फिल्म के प्रमाणन पर अंतिम आदेश जारी करना है। इस निर्देश का महत्व इसलिए भी है कि अब अगला कदम केवल प्रशासनिक प्रक्रिया के भरोसे नहीं छोड़ दिया है। बोर्ड को निर्धारित समयसीमा के भीतर अपना निर्णय देना होगा।

“निर्माता निर्देशक संजय शर्मा ने बॉम्बे हाईकोर्ट में अपनी फिल्म के रिलीज सर्टिफिकेट को जारी करने के लिए याचिका दायर की थी”



भाजपा के लोग फर्जी वोट को अपनी ताकत समझते हैं : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को किया आगाह, बूथों पर रहें सतर्क

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आगामी होने विस चुनाव के लिए पूरी तरह से मुस्तैद हो गए हैं। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरने के साथ उन्हें सतर्क रहने की भी हिदायत दी है। सपा प्रमुख ने कहा है कि भाजपा फर्जी वोट को अपनी ताकत समझती है। वोट चोरी बढ़ा मुद्दा है। समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथों पर सतर्क रहना है। 2027 के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का लक्ष्य है।

यह जीवन-मरण का चुनाव है। अखिलेश ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को अनुशासन में रहना है। कोई भी ऐसा व्यवहार न करे, जिससे किसी को शिकायत का मौका मिले। जनता की उम्मीदें समाजवादी पार्टी से हैं। प्रदेश और जनता के हित में समाजवादी पार्टी की सरकार बनना जरूरी है।



एसआईआर के दौरान भाजपा ने समाजवादी पार्टी के समर्थकों के वोट कटवाने की साजिश की

उन्होंने कहा कि एसआईआर के बाद भी वोटलिस्ट में बड़े पैमाने पर फर्जी वोट है। एसआईआर के दौरान भाजपा ने समाजवादी पार्टी के समर्थकों के वोट कटवाने की साजिश की।

भाजपा लगातार पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों का वोट काटने की साजिश कर रही है। अगर भाजपा की फिर सरकार आ गई तो वह बुलडोजर पर सवार रहेगी।

भाजपा ने उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में बर्बाद कर दिया

उन्होंने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में बर्बाद कर दिया है। शिक्षा-परीक्षा ध्वस्त है। स्वास्थ्य सेवाएं खराब हो चुकी हैं। कानून-व्यवस्था बर्बाद है। हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार और लूट हो रही है। भाजपाई बेलगाम हैं। भाजपा सरकार में न किसी का जीवन सुरक्षित है और न सम्मान सुरक्षित है। अपराधी और अराजक तत्व बेखोप हैं। उन्हें सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। गरीबों को बुलडोजर से डराया जा रहा है।

हार के डर से टाले पंचायत चुनाव : मेहरोत्रा

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर के आए हाईकोर्ट के आदेश के बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी ने चुनाव में देरी का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा है कि बीजेपी डर के चलते चुनाव को नहीं करा रही थी। पार्टी इतनी डरी हुई है कि हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दे सकती है। दरअसल इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सरकार को 3 महीने में पंचायत चुनाव कराने का निर्देश दिया है।



निर्देश दिया है। समाजवादी पार्टी विधायक रविदास मल्लोत्रा ने कहा कि सरकार हार के डर से पंचायत चुनाव नहीं कराना चाहती थी। चुनाव हुए तो पूरे प्रदेश से बीजेपी का सफाया हो जाएगा और समाजवादी पार्टी सभी चुनाव जीतेगी। रविदास मेहरोत्रा ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने पंचायत चुनाव टालकर लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी बीजेपी सरकार किसी न किसी बहाने से चुनाव टालने की कोशिश कर सकती है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में अपील भी कर सकती है। पंचायत चुनाव जब भी होगा, समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत से जीत हासिल करेगी।

सविदाकर्मियों को भी नियमित करें मिले स्थायी नौकरी का अवसर : मायावती

» बसपा प्रमुख एनआरएचएम कर्मियों के बारे में कर रहा थी चर्चा

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क



आउटसोर्सिंग और सविदा व्यवस्था पर उठाए सवाल

बसपा ने कहा कि सरकारी तंत्र में आउटसोर्सिंग और सविदा के आधार पर कर्मचारियों से लंबे समय तक काम लेने की व्यवस्था घोषणाकारी है। पार्टी का मानना है कि वर्षों से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को स्थायी रोजगार का अवसर मिलना चाहिए।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अगले छह महीने में एक लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने लंबे समय से अस्थायी रूप से काम कर रहे कर्मचारियों को भी नियमित करने की मांग उठाई है। पार्टी का कहना है कि सरकारी भर्ती की प्रक्रिया में उन कर्मचारियों को भी शामिल किया जाना चाहिए, जो विभिन्न विभागों में वर्षों से सविदा और आउटसोर्सिंग के आधार पर सेवाएं दे रहे हैं।

बसपा ने विशेष रूप से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के तहत लंबे समय से कार्यरत सविदाकर्मियों को स्वास्थ्य विभाग में नियमित करने की मांग की है। पार्टी के मुताबिक, ये कर्मचारी अपने स्थायीकरण समेत अन्य मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से

लखनऊ के मान्यवर श्री कांशीराम जी ईको गार्डन के पास धरने पर बैठे हैं। पार्टी ने सरकार से मांग की कि अगले छह महीने में एक लाख सरकारी नौकरियों देने की प्रक्रिया के दौरान एनआरएचएम के सभी पात्र सविदाकर्मियों के नियमितीकरण पर भी विचार किया जाए। इससे लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई हो सकेगी।

आदिवासी छात्रों के अपमान पर भड़की कांग्रेस

» जय जोहार पर बवाल, जीतू पटवारी बोले- पुलिस अधिकारी पर एफआईआर करो

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

भोपाल। राजधानी में आदिवासी छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन के दौरान पुलिस के कथित अभद्र व्यवहार ने सियासी तकरार बढ़ा दी है। रोशनपुरा चौराहे पर 13 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन में जय जोहार का नारा लगाने वाले विद्यार्थियों के साथ कथित गाली-गलौज और जातिगत अपमान का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार को सीधे कार्रवाई की चुनौती दी है।

उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस कमिश्नर कार्यालय का घेराव करेगी। जरूरत पड़ने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन भी किया जाएगा। कांग्रेस ने इस मामले को आदिवासी समाज के सम्मान और पुलिस की जवाबदेही से जोड़ते हुए

मुख्यमंत्री और डीजीपी से सीधे हस्तक्षेप की मांग

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पुलिस महानिदेशक से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने को कहा है। उनकी मांग है कि आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने वाले अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो। पटवारी ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही तय करना सरकार की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को निशाने पर लिया है। मुख्यमंत्री प्रदेश के गृह मंत्री भी हैं, इसलिए उन्हें मामले का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे आदिवासी छात्र-छात्राओं के साथ पुलिस अधिकारी ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और जातिगत आधार पर अपमानित किया। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना नागरिकों का अधिकार है।

राजनीति में कुछ भी हो सकता है : पायलट

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी में वापसी की अटकलों के बीच कहा है कि "राजनीति में कुछ भी संभव है।" पायलट ने अमरिंदर की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पंजाब की खूब सेवा की है और वह "बहुत ऊंचे कद के नेता" हैं।

हालांकि, पायलट ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अमरिंदर सिंह से उनके भविष्य की राजनीतिक योजनाओं या किसी पार्टी में शामिल होने अथवा उसे छोड़ने के बारे में व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं की है। पायलट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमरिंदर ने हाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लेकर कुछ आलोचनात्मक टिप्पणियों की थीं, जिसके बाद उनके पार्टी से असंतुष्ट होने की अटकलें तेज हुई हैं।

जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

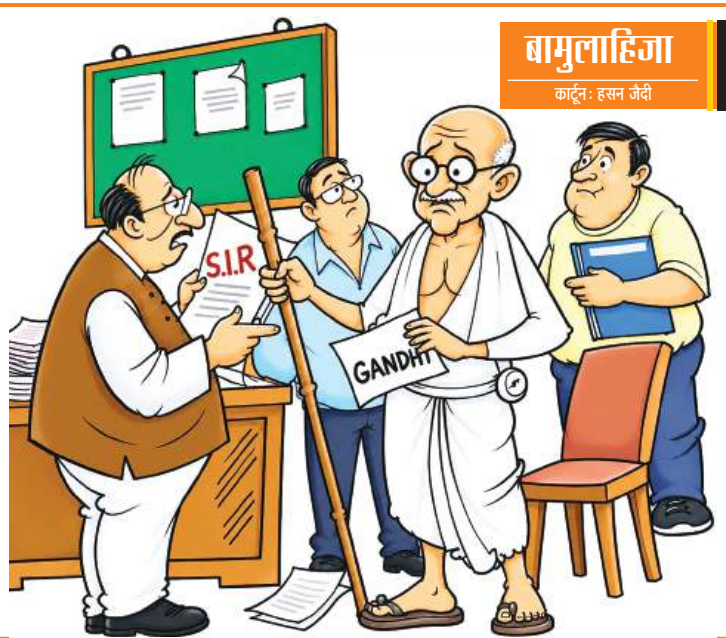
» केंद्र और दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन के लिए तय जगह के रूप में हटाए जाने को चुनौती दी गई है। शीर्ष कोर्ट, जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की आधिकारिक जगह के दर्जे से हटाने से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहा था।

याचिका पर अपनी बात रखते हुए, पूर्व जज और वरिष्ठ वकील मुक्ता गुप्ता ने तर्क दिया कि विरोध-प्रदर्शन की जगह ऐसी होनी चाहिए, जहां प्रदर्शनकारियों की बात जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंच सके।

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि बात सुनी जाने के अर्थ को तकनीक के नजरिए से भी समझा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं की ओर से दायर एक याचिका पर भारतीय निर्वाचन आयोग और अन्य को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस याचिका पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से जवाब मांगा है। अदालत ने SIR में कथित अनियमितताओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने की याचिका पर राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य लोगों को भी नोटिस जारी किया।



अनुप्रिया पटेल की बढ़ेगी मुश्किलें?

» दिव्या मित्तल का चुनाव लड़ने का ऐलान

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी रही दिव्या मित्तल ने बड़ा ऐलान कर दिया है। उनके इस ऐलान से अपना दल सोनेलाल पटेल की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सूत्रों के अनुसार पूर्व आईएसएस अधिकारी दिव्या मित्तल आज अपनी नई राजनीतिक पार्टी का ऐलान करेंगी।

उनकी पार्टी का नाम जनता शक्ति पार्टी होगा। दिव्या मित्तल मिर्जापुर सदर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। वह दोपहर 1 बजे पार्टी के गठन और अपनी



राजनीतिक पारी को लेकर आधिकारिक घोषणा करेंगी। मित्तल, मिर्जापुर की डीएम भी रह चुकी हैं। मिर्जापुर को अनुप्रिया पटेल का गढ़ माना जाता रहा है। वह इस लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं। ऐसा माना जा रहा है कि साल 2027 में चुनाव लड़कर दिव्या न सिर्फ अनुप्रिया को कड़ी टक्कर देने का मन

बना चुकी हैं बल्कि अगर परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहे तो वह साल 2029 के लोकसभा चुनाव में भी इसी सीट से बतौर उम्मीदवारी का ऐलान कर सकती हैं। राजनीतिक जानकारों की मानें तो अभी भले ही वह अपनी पार्टी बनाकर चुनाव में आ रही हैं, अगर 2027 में परिणाम, अनुप्रिया पटेल और उनकी पार्टी को थोड़ा भी परेशान करने वाले रहे तो कोई भी अन्य राजनीतिक दल खास तौर से सपा- उन्हें हाथों हाथ अपने साथ ला सकती है। मिर्जापुर सदर सीट की बात करें तो इस विधानसभा क्षेत्र से फिलहाल साल 2017 और 2022 में भारतीय जनता पार्टी के रत्नाकर मिश्रा चुने गए थे।

झारखंड में बीजेपी ने 2029 के लिए चला सियासी दांव

सोरेन भी विकास से देंगे मात

पलामू के बृजमोहन राम बने ओडिशा के राज्यपाल

» ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी हरेलाल महतो ने आजसू पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में जहां सीएम हेमंत सोरेन राज्य की सरकार को बहुत शांति के साथ चला रहे और विकास के लिए दम लगा रहे हैं। वहीं विपक्षी पार्टी भाजपा जहां उनकी सरकार को समय-समय पर घेरने का तो काम कर ही रही है साथ नए-नए सियासर दांव भी चल रही है। जैसे झारखंड के ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी हरेलाल महतो ने आजसू पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया।

चांडिल के भादूडीह मैदान में आयोजित समारोह में उन्होंने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ली। इस दौरान भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। चांडिल प्रखंड के भादूडीह मैदान में आयोजित एक विशाल समारोह में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान ईचागढ़ की राजनीति में नई हलचल देखने को मिली। वहीं राज्य के दिग्गज नेता व पलामू निवासी बृजमोहन राम को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से पलामू समेत पूरे झारखंड में खुशी का माहौल है। राजनीतिक जानकार इसे बीजेपी की मिशन 2029 की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं, इसे पलामू प्रमंडल में सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश भी माना जा रहा है।



मोदी के विचारों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरेलाल महतो ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने ईचागढ़ की जनता से समर्थन और आशीर्वाद मांगा। मंच से भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार की वर्तमान नीतियों की तीखी आलोचना की और झारखंड में राजनीतिक बदलाव को अत्यंत आवश्यक बताया।

क्षेत्र में बने नए राजनीतिक समीकरण

हरेलाल महतो के भाजपा में आने से ईचागढ़ क्षेत्र के राजनीतिक समीकरण बदलने की संभावना है। वर्ष 2019 और वर्ष 2024 के विधानसभा चुनावों में हरेलाल महतो का मुकाबला झामुमो प्रत्याशी सविता महतो से हुआ था, जिसमें दोनों बार सविता महतो ने जीत हासिल की

थी। उनके भाजपा में शामिल होने से क्षेत्र में चर्चाएं गर्म हैं, हालांकि पार्टी में प्रवेश से उनकी उम्मीदवारी तय नहीं मानी जा रही है। भविष्य की राजनीति पर भाजपा और आजसू के गठबंधन, स्थानीय कार्यकर्ताओं के तालमेल तथा समर्थकों की भूमिका का गहरा असर पड़ेगा।

समारोह में जुटे कई दिग्गज नेता

समारोह में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा उपस्थित रहे। इनके साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सांसद विद्युत वरुण महतो, पूर्व मंत्री अमर बाउरी तथा डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी भी मंच पर मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया पलामू

बृजमोहन राम के ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त होने से पलामू जिले का नाम एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया है। उनकी नियुक्ति को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह है। लोगों को उम्मीद है कि उनके नए दायित्व से झारखंड और ओडिशा के बीच संबंधों को और मजबूती मिलेगी। बृजमोहन राम भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से

तीन बार सांसद रह चुके हैं। राष्ट्रपति की ओर से छह राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति के फैसले के तहत बृजमोहन राम को ओडिशा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके राज्यपाल बनने की खबर से पलामू के साथ-साथ झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में भी प्रसन्नता व्यक्त की जा रही है। वहीं, बीजेपी में भी खुशी का माहौल है।

चंपई सोरेन ने भर्ती परीक्षा विवाद पर सीबीआई जांच की मांग उठाई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों को धोखा देने और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निषेध जांच की मांग करने वालों के खिलाफ पुलिस बल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सोरेन ने मांग की कि राज्य सरकार कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश करे। उन्होंने दावा किया कि नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने का सतारुद्ध गठबंधन का कोई इरादा नहीं है। सोरेन ने आरोप लगाया, झामुमो कार्यकर्ताओं और पुलिस ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे और मुख्यमंत्री का पुतला फूंकने की कोशिश कर रहे छात्रों की पिटाई की। उन्होंने प्रशासन से इसकी अनुमति भी ली थी। इसके बावजूद उन्हें पीटा गया ऐसा

सीएम सोरेन राज्य की विकास में लगे

राज्य में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और पूर्व खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए झारखंड सरकार ने नकद पुरस्कार और पेंशन का बड़ा प्रावधान किया है। राज्य मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बाद पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग ने झारखंड खेल नीति-2022 के तहत इनकी राशि में संशोधन किया है। इसके साथ ही संशोधित झारखंड खिलाड़ी पेंशन योजना के तहत रांची जिला प्रशासन ने पात्र खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस व्यवस्था के तहत ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को पांच करोड़ रुपये दिए



जाएंगे। वहीं पात्र पूर्व खिलाड़ियों को उपलब्धियों के आधार पर प्रतिमाह पांच हजार रुपये से लेकर 20 हजार रुपये तक की पेंशन मिलेगी। इच्छुक

खिलाड़ी 25 अक्टूबर 2026 की शाम पांच बजे तक जिला खेल पदाधिकारी कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। संशोधित नियमों के अनुसार ओलंपिक में रजत पदक जीतने पर तीन करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेता को दो करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को सात लाख रुपये दिए जाएंगे। पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता को 25 लाख रुपये, रजत विजेता को 15 लाख रुपये और कांस्य पदक विजेता को 10 लाख रुपये मिलेंगे। इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों को डेढ़ लाख रुपये दिए जाएंगे।

खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों और पुलिस के बीच शुक्रवार को रांची, हजारीबाग, गिरिडीह और अन्य जिलों में झड़प हुई थी।

राज्यपालों की नियुक्ति में झारखंड को तरजीह

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छह राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति की है। इसी क्रम में झारखंड के पलामू निवासी बृजमोहन राम को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति की खबर सामने आने के बाद पलामू सहित पूरे झारखंड में खुशी का माहौल है। इसे झारखंड के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

मिशन 2029 से जोड़कर देखी जा रही नियुक्ति

राजनीतिक जानकारों की मानें तो बीजेपी ने मिशन 2029 को ध्यान में रखते हुए सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश की है। उनके मुताबिक, पलामू प्रमंडल में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिहाज से इस नियुक्ति को अहम माना जा रहा है।

पार्टी को उम्मीद हो सकती है कि इसका राजनीतिक लाभ आगामी चुनावों में मिल सकता है। हालांकि, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) इससे पहले पलामू प्रमंडल के लातेहार जिले के निवासी बैद्यनाथ राम को राज्यसभा सांसद बना चुका है। ऐसे में बृजमोहन राम की राज्यपाल के पद पर नियुक्ति को

पलामू क्षेत्र में एससी समाज के प्रतिनिधित्व और राजनीतिक प्रभाव के लिहाज से भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इस घटनाक्रम को बीजेपी और झामुमो के बीच सामाजिक समीकरणों को लेकर जारी प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में समझा जा सकता है।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

बिना पानी के कैसे बनेगा विकसित राष्ट्र

66

विकसित भारत का सपना देखने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन इससे पहले केंद्र और राज्यों की सरकारों का यह खुलासा करना चाहिए कि देश के लोगों को गुणवत्तायुक्त पर्याप्त पीने का पानी कब तक उपलब्ध हो जाएगा। इसके लिए देश की राष्ट्रीय नीति क्या है। इस मुद्दे पर कोई बोलने को तैयार नहीं है।

एक तरफ देश में बाढ़ आ रही है तो कई जगहों पर पेयजल का संकट भी है। उधर सरकार व पीएम मोदी कहते हैं कि जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा। इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक हर हालत में विकसित देश बनाना है। निश्चित तौर पर भारत को विकसित देश बनना ही चाहिए। सवाल यह है कि क्या तब तक भारत के करोड़ों लोग प्यासे रहेंगे। उन्हें पर्याप्त और शुद्ध पानी के लिए क्या भारत के विकसित होने तक इंतजार करना पड़ेगा। क्या देश के लोगों की प्यास और दूषित पेयजल से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को तब तक के लिए रोका जा सकता है। विकसित भारत का सपना देखने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन इससे पहले केंद्र और राज्यों की सरकारों का यह खुलासा करना चाहिए कि देश के लोगों को गुणवत्तायुक्त पर्याप्त पीने का पानी कब तक उपलब्ध हो जाएगा। इसके लिए देश की राष्ट्रीय नीति क्या है। इस मुद्दे पर कोई बोलने को तैयार नहीं है।

इस बारे में चर्चा करते ही देश के विकास और विकसित भारत के सपने पर सवालिया निशान लग जाते हैं। देश के सत्तारूढ़ दलों और विपक्षी दलों के नेता ऐसे जमीनी जरूरतों के मुद्दों से मुंह चुराते हैं। पेयजल जैसी समस्याओं से निपटने के लिए सरकारों के पास दूरदृष्टि और योजनाएं नहीं हैं। यदि लगातार एक या दो बार देश में मानसून मेहरबान न हो तो देश में पीने के पानी का हाहाकार मचने लगता है। देश में पेयजल संकट अभी से गहराने लगा, जबकि अभी मानसून की विदाई हुई है। महाराष्ट्र में राज्य सरकार ने 16 अक्टूबर से सभी शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों में कम से कम 10 प्रतिशत जल कटौती लागू करने का निर्णय लिया है। राज्य के जालना जिले में बांध में केवल 2 प्रतिशत पानी बचा है। नौबत यहां तक आ गई है कि प्रशासन को पानी की चोरी रोकने के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की टीमों के साथ रात में भी निगरानी और गश्त करनी पड़ रही है। इस बार मानसून में बारिश की करीब 12-13 प्रतिशत की कमी के कारण देश के दूसरे राज्यों की हालत भी महाराष्ट्र जैसी होने से इंकार नहीं किया जा सकता। देश के कई राज्यों में कम बारिश का असर अब जलाशयों पर दिख रहा है। 1 अक्टूबर तक देश के प्रमुख जलाशयों में 71.84 प्रतिशत पानी था। पिछले साल इसी समय यह 90.31 प्रतिशत था, जबकि सामान्य स्तर 81.79 प्रतिशत है। अर्थात् इस बार जलाशयों में पानी पिछले साल के मुकाबले काफी कम है। देशभर में इस बार का मानसून 13वां सबसे सूखा सीजन रहा। पिछले 11 सालों में यह सबसे कम बारिश वाला मानसून रहा है। हालांकि, सीजन खत्म होने से पहले हुई तेज बारिश के कारण बारिश की कमी में 2.5 प्रतिशत का सुधार हुआ। मानसून-2026 सीजन सामान्य से 12.6 प्रतिशत कम बारिश के साथ खत्म हुआ। कुल मिलाकर पानी के लिए भागिरथ प्रयास करने अब भी करने होंगे।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ती ग्लेशियर झीलों से सुरक्षा-पेयजल संकट की आहट

मुकुल व्यास

पिघलते ग्लेशियर ऊंचे हिमालय के स्वरूप को बदल रहे हैं। वहां ग्लेशियर झीलों तेजी से बढ़ रही हैं और उनका आकार भी फैल रहा है। जलवायु परिवर्तन दरअसल दुनिया के सबसे ऊंचे इलाकों को बदल रहा है, इसलिए इस बदलाव पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। एक नए अध्ययन में हिमालय में हो रहे परिवर्तन का खुलासा किया गया है। यह अध्ययन प्राग की चार्ल्स यूनिवर्सिटी की रिसर्चर आयुषी पांडे ने किया है। लगभग 30 सालों के उपग्रह पर्यवेक्षण के आधार पर पांडे ने 1994 और 2023 के बीच भारत के पश्चिमी हिमालय में अलकनंदा बेसिन की 74 ग्लेशियर झीलों में हुए बदलावों को ट्रैक करने के लिए लैंडसेट और सेंटिनल-2 की तस्वीरों का इस्तेमाल किया। इससे जो तस्वीरें हमारे सामने आती हैं, वह तेजी से बदलते लैंडस्केप की हैं। जैसे-जैसे ग्लेशियर पिघलते हैं, उनका पिघला हुआ पानी अधिक ऊंचाई वाली झीलों को भरता है और नई झीलें बनाता है।

सही हालात होने पर ये झीलें एक साथ बहुत बड़ी मात्रा में पानी छोड़ सकती हैं। अध्ययन से पता चला कि हिमालय में पुरानी झीलें बढ़ रही हैं और नई झीलें बन रही हैं। अध्ययन में शामिल 0.01 वर्ग किलोमीटर से बड़ी 24 ग्लेशियर झीलों में झीलों का कुल क्षेत्रफल 1994 में 0.97 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2023 तक 1.62 वर्ग किलोमीटर हो गया। यह सिर्फ तीन दशकों में 67 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। लेकिन मौजूदा झीलों का बढ़ना ही सब कुछ नहीं है। अध्ययन में 57 बिल्कुल नई ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई, जो अध्ययन के दौरान बनीं, जिससे अलकनंदा बेसिन में कुल झीलों की संख्या 131 हो गई। इन नई झीलों में से 18 झीलें पहले ही 0.01 वर्ग किलोमीटर के पैमाने से बड़ी हो चुकी हैं। कुछ झीलें तो चोंकाने वाली रफ्तार से फैली हैं। वसुंधरा झील 1994 और 2023 के बीच 261 प्रतिशत बढ़ी। इसी दौरान बलबाला

झील 119 प्रतिशत बढ़ी। मुख्य आंकड़ों के अलावा, अध्ययन में 27 ऐसी ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई, जिनमें बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई। इनमें बद्रीनाथ के ऊपर की ओर स्थित एक झील भी शामिल है।

वसुंधरा झील के तेजी से फैलने पर विशेष रूप से बारीकी से ध्यान देने की जरूरत बताई गई है। ग्लेशियर वाली झील के आकार और स्थिरता में बदलाव का सीधा असर नीचे के इलाकों पर पड़ सकता है। रिसर्चर का कहना है कि इन झीलों की लगातार निगरानी और आगे और ज्यादा विस्तार से जांच की जरूरत है। दरअसल, मुख्य चिंता ग्लेशियर झीलों में अचानक बाढ़ को लेकर है। इस तरह की बाढ़ को 'ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड' (जीएलओएफ) भी



कहा जाता है। यह स्थिति तब बनती है, जब बर्फ, चट्टान या मलबे से रुकी हुई पानी की भारी मात्रा अचानक छूट जाती है और पानी, कीचड़ और मलबे को बहुत तेज और विनाशकारी ताकत के साथ नीचे की ओर बहा ले जाती है। यह अध्ययन ऐसे समय में आया है, जब नेपाल में 26 अगस्त, 2026 को आई भयानक बाढ़ के बाद राहत और बचाव का काम चल रहा है। वह आपदा कोई आम जीएलओएफ नहीं थी, लेकिन इसने दिखाया कि ऊंचे पहाड़ों में अचानक आने वाली बाढ़ के नतीजे कितने गंभीर हो सकते हैं। आयुषी पांडे ने कहा, 'हाल की बाढ़ इस बात की याद दिलाती है कि ऊंचे पहाड़ी इलाकों की लगातार निगरानी कितनी जरूरी है, जहां भारी बारिश, ग्लेशियर झील का

बढ़ना, ढलान का अस्थिर होना और भूकंप जैसी कई आपदाएं एक साथ मिलकर नीचे के इलाकों पर असर को और बढ़ा सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'बड़े और दुर्गम इलाकों की जांच-पड़ताल के लिए उपग्रह डेटा बहुत काम का होता है। इनसे हम नई बनी झीलों की पहचान कर सकते हैं, झील के आकार में बदलाव को माप सकते हैं, तेजी से बढ़ रही झीलों का पता लगा सकते हैं और उन झीलों को चुन सकते हैं, जिनकी विस्तृत जांच की जरूरत है। इस काम के लिए बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिकल सपोर्ट और आर्थिक मदद की जरूरत है, जिसमें सीमाओं के पार वैज्ञानिक सहयोग और डेटा शेयरिंग भी शामिल है। इसे एक साझा क्षेत्रीय चिंता के तौर पर देखा जाना चाहिए।' यह आखिरी

बात ही इस चुनौती की असल जड़ है। हिमालय कई देशों में फैला हुआ है। किसी एक देश के पहाड़ों में बनने या बढ़ने वाली ग्लेशियर वाली झील अपनी सीमाओं से दूर के समुदायों और बुनियादी ढांचे के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है।

नेपाल में हाल ही में आई बाढ़ इस बात का एक बड़ा उदाहरण है कि कैसे ऊंचे पहाड़ों से जुड़ा खतरा तेजी से मानवीय संकट में बदल सकता है। नए सैटेलाइट डेटा से पता चलता है कि उत्तर भारत के पहाड़ों में भी इसी तरह के खतरे चुपचाप बढ़ रहे हैं। फिलहाल, यह स्टडी शोधकर्ताओं को कुछ ऐसी जानकारी देती है, जो उन्हें इस दुर्गम और मुश्किल इलाके में शायद ही कभी मिलती है।

डॉ. प्रदीप कुमार राय

'मैं 12 तक गिनता हूं। जब तक मेरी 12 की गिनती पूरी हो, तुम अपनी देह में लौट आना, जहां तुम अक्सर रहते नहीं हो, जबकि तुम्हें रहना चाहिए। जब तक 12 की गिनती पूरी हो, तुम खुद को शांत-शांत और शांत करते हुए विश्रान्ति की अवस्था में चले जाना।' यह आह्वान नोबेल पुरस्कार विजेता चिली मूल के लेखक पाब्लो नेरुदा ने 76 साल पहले अपनी कविता 'कीपिंग क्राइट' में पूरी मनुष्य जाति से किया था। मनुष्य के भीतर अनंत बेचैनी देखकर। एक बड़ा प्रश्न है कि दशकों पहले मनुष्य के जीवन में कोई बहुत रफ्तार और व्यस्तता देखकर ही तो पाब्लो ने यह आह्वान किया होगा। मनुष्य के अंदर बहुत भारी बेचैनी देखे बिना तो उन्होंने इतनी गहरी कविता लिखी नहीं होगी। अगर अब तुलना करें कि उस समय के मुकाबले हम मनुष्य कितने गुना अधिक व्यस्त और बेचैन हुए होंगे! बल्कि अब हम खाली व्यस्त नहीं, बल्कि अस्त-व्यस्त हैं। यानी हमारी बेचैनी का ग्राफ तब के मुकाबले सैकड़ों गुना बढ़ा होगा, इसमें तो कोई संदेह ही नहीं है।

अब के मुकाबले तब की बेचैनी बहुत कम ही होगी। बड़े लक्ष्य हासिल करने और तकनीक व स्क्रीन से इतनी लिपटने की तब इतनी संभावनाएं ही नहीं थीं। फिर भी उस कालखंड के लोगों का सौभाग्य देखिए कि पाब्लो जैसा उद्धृत विद्वान उनको शांतचित्त करने के लिए 12 तक की गिनती करने खड़ा हो गया। और लोगों ने सुन भी लिया। और लोगों के पास सुनने का समय भी था। इस दौर में हमारे लिए यह गिनती करने कौन आएगा? हालांकि, आज भी

अधीर समय बढ़ाता मनुष्य की बेचैनी का ग्राफ

संत-फकीर लोगों को अनावश्यक बेचैनी के प्रति चेता रहे हैं, पर बदलते वक्त की नब्ब देखते हुए वे 12 तक की गिनती तक का समय लोगों को शांत होने के लिए देने का प्रयोग नहीं कर रहे। और अगर किसी दार्शनिक ने आज ऐसा कह भी दिया कि मैं मनुष्य जाति को पांच-दस तक की गिनती का समय देता हूं और वे अपने मूल में लौट आए, फिर भी हम पांचवें गियर में चल रहे डिजिटल युग के मानव इतनी गति में तन और मन पर अचानक ब्रेक कहाँ लगा देंगे? मौजूदा स्थिति को देखकर, जहां सभी संदेशों को माइक्रो ड्रामा प्रारूप यानी बहुत कम सेकंड का बनाया जाता है, वहां ऐसा लक्ष्य रखने की संभावना कोई भी नहीं ढूँढेगा। पर आज मनुष्य जाति की दशा के नजरिए से देखें, तो उसकी रफ्तार और बेचैनी को विराम देने के लिए 12 तक की गिनती भी बड़ी है।

वास्तव में तो तीन तक गिनने का समय ही दिया जाना चाहिए। आज मनुष्य का ज्ञान तो कमजोर नहीं है। उसे यह तो पता है कि वह एक अथक परिक्रमा में



चल पड़ा है। अपार सूचना से घिरे रहने के कारण उसे यह भी पता है कि मनुष्य की ध्यान टिकाने की क्षमता (अटेंशन स्पैन) आठ सेकंड से थोड़ी-सी ज्यादा रह गई है। उसे इतना भान तो होगा कि दिन के एक बड़े हिस्से में आंखों ने स्क्रीन के अलावा कुछ और न देखा हो, तो फिर ध्यानाकर्षण तो निर्बल होगा ही।

सोशल मीडिया की अनंत स्कॉलिंग और उसमें भी ढेरों नैरेटिव की तुलना करने से जिस बहाव के साथ मनुष्य बह रहा है, उसमें उसे ठहराव लेने का रास्ता नहीं सूझ रहा? विशेषज्ञ कहते हैं कि आज मनुष्य के बैठने-उठने का तरीका (पॉस्चर) भी मनुष्य वाला नहीं रहा। अब यह आई-पॉस्चर यानी आईफोन से निकला पॉस्चर हो चुका है। और इन दिनों एक और भारी विसंगति मनुष्य जाति अपने हाथों पैदा कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार के साथ मनुष्य स्वयं घोषणा कर रहा है कि बस, असली बात तो मशीन ही सोच सकती है। असली क्रिएटिव तो मशीन ही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मोह में मनुष्य इतना पड़ गया कि कृत्रिम व्यवहार करने

लग गया है। इसका सम्यक प्रयोग तो उचित है, पर मनुष्य तो इसके मोहपाश में अपने कॉग्निटिव ओवरलोड को और अधिक बढ़ाने पर जुट गया है। अभी हाल में प्रकाशित अपनी किताब 'ह्यूमन फर्स्ट, मशीन सेकंड' में टेक जगत की बड़ी हस्ती विनीत नायर ने कहा कि मनुष्य अपनी सारी क्षमताओं का एआई के सामने समर्पण करके खुद को बेवजह निर्बल बना रहा है। उन्होंने कृत्रिम मेधा के अत्यधिक मोहपाश में बंधे मनुष्य को अपनी किताब में यह समझाया— 'एआई इज़ गाइड, नॉट गॉड।' अर्थात् एआई सहायक है, भगवान नहीं है।

विशेषज्ञों को डर है कि मनुष्य कहीं मशीन के सहारे बड़े लक्ष्य पाने की चाह में अपनी वास्तविक चेतना न खो बैठे। और फिर... अनंत की तरफ जाती मनुष्य की व्याकुलता के कारण डिजिटल माध्यम तक ही सीमित नहीं हैं। सुख और समृद्धि के लक्ष्य भी निरंतर बढ़ रहे हैं और उनकी परिभाषाएं रोज बदल रही हैं। वे भीतर बड़ी रफ्तार पैदा कर रही हैं। इन सबसे उपजी तोत्र गति वाली व्यग्रता, जिसे प्रायः कम शिक्षित लोग भी अब अंग्रेजी शब्द 'एंग्जाइटी' ही कहकर पुकारते हैं, एक खतरनाक रूप ले चुकी है। यह एंग्जाइटी पूरे संसार में भारी रोग बनती जा रही है। कितने भयंकर रोग मनुष्य को एंग्जाइटी ने दिए हैं! उसने मनुष्य का नीर-क्षीर विवेक भी छीन लिया है। मनुष्य को इन सब अनंत, अपार दौड़ों में ठहराव देने कोई आकर पास में खड़ा नहीं हो सकता। शायद मनुष्य को अपने को ठहराव देने के लिए पाब्लो की सुझाई गिनती अपने लिए खुद ही बोलनी होगी। अंत में आपके बारह हैं, आपकी बारी है, आपने ही बोलना है।



खाना साफ दिख रहा है फिर भी हो सकता है

फूड इंफेक्शन

मानसून का सीजन सेहत के लिए कई तरह की चुनौतियां लेकर आता है। बारिश और इसके बाद के दिनों में जगह-जगह जगलजमाव मच्छरजिनत रोगों जैसे डेंगू-मलेरिया के खतरे को बढ़ाने वाला माना जाता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विशेषज्ञ इन दिनों में खान-पान से संबंधित समस्याओं के खतरे को लेकर भी सावधानी बरतते रहने की सलाह देते हैं। मानसून के दिनों में खान-पान को लेकर बरती गई लापरवाही टाइफाइड जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है। इसके साथ इन दिनों में फूड इंफेक्शन का खतरा भी अधिक देखा जाता रहा है। फूड इंफेक्शन का नाम सुनते ही सबसे पहले हमारे दिमाग में बाहर के खाने का ख्याल आता है। आमतौर पर बाहर खुले में बिकने वाली चीजों, ठेले पर मिलनी वाली चाट आदि से इसका खतरा माना जाता रहा है, पर इसके लिए हर बार बाहर का खाना जिम्मेदार हो ये जरूरी नहीं है। कई बार संक्रमण की शुरुआत हमारे अपने किचन से भी हो सकती है।



खाद्य जनित बीमारियों का खतरा

असुरक्षित भोजन से बैक्टीरिया, वायरस और दूसरे हानिकारक पदार्थ शरीर में पहुंच सकते हैं। इससे खाद्य जनित बीमारियों का खतरा होता है, जिसमें दस्त और उल्टी से लेकर कई बार गंभीर दिक्कतें भी हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फूड इंफेक्शन हर बार बाहर खाने से ही नहीं होता। खाना पकाते या खाते समय हाथों की साफ-सफाई का ठीक से ध्यान न रखना, कच्चे और पकी चीजों को एक ही चाकू से काटना, भोजन को लंबे समय तक कमरे के तापमान पर छोड़ देना या अधपका भोजन खाना भी आपके लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती हैं। दूषित खाना हमेशा देखने, सूंघने या चखने में खराब हो ये भी जरूरी नहीं है। सामान्य दिखने वाले भोजन में भी बीमारी फैलाने वाले रोगजनक मौजूद हो सकते हैं।



अधपका भोजन बढ़ा सकता है दिक्कतें

कुछ बैक्टीरिया पर्याप्त तापमान पर पकाने से नष्ट हो जाते हैं। लेकिन अगर खाना अंदर तक ठीक से नहीं पका है तो इससे भी संक्रमण का खतरा बना रह सकता है। चिकन, मांस, अंडे को अच्छी तरह पकाना जरूरी है। अधपके अंडे या मांस से संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा देखा जाता रहा है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को इससे सबसे ज्यादा दिक्कत हो सकती है।

कच्चे और पके खाने को एक साथ रखना

कच्चे मांस, चिकन, मछली या अंडे से बैक्टीरिया दूसरे खाने तक पहुंच सकते हैं। इसे क्रॉस-कॉन्टैमिनेशन यानी एक चीज से दूसरी चीज में संक्रमण पहुंचना कहा जाता है। अगर कच्चे चिकन के लिए इस्तेमाल किया गया चाकू या कटिंग बोर्ड बिना धोए सलाद काटने में इस्तेमाल हो गया तो बैक्टीरिया सीधे तैयार खाने में पहुंच सकते हैं।

हाथ और किचन की सफाई का ध्यान न रखना

भोजन बनाने से पहले और शौचालय जाने के बाद हाथ ठीक से न धोना बैक्टीरिया को भोजन तक पहुंचने का आसान रास्ता हो सकता है। किचन के रलैब, चाकू, कटिंग बोर्ड और बर्तनों की सफाई भी महत्वपूर्ण है। कच्चे मांस, अंडे या दूसरी कच्ची चीजों के संपर्क में आने के बाद हाथ और सतहों को साफ करना जरूरी है। कई बार जाने-अनजाने यहां से भी संक्रमण फैलने का खतरा हो सकता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

पका हुआ खाना कमरे के तापमान पर लंबे समय तक छोड़ना बैक्टीरिया को बढ़ने का मौका दे सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पका हुआ और जल्दी खराब होने वाला भोजन सुरक्षित तापमान पर रखा जाना चाहिए। दूषित पानी से भी फूड इंफेक्शन का खतरा होता है। खाना बनाने, पीने और बर्फ बनाने के लिए हमेशा साफ पानी का इस्तेमाल करना जरूरी है। फल और सब्जियां खेत, बाजार और परिवहन के दौरान कई सतहों के संपर्क में आती हैं। अगर इन्हें ठीक से साफ किए बिना खाया जाए तो गंदगी और कुछ सूक्ष्मजीव शरीर में जा सकते हैं। खाने से पहले इन्हें साफ पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए। कटे हुए फल लंबे समय तक खुले में नहीं रखना चाहिए।



हंसना मना है

मां: उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा: तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

सरदार ने सदी में AC लगवाया, किसी ने पूछा: इतनी सदी में AC? सरदार: ओये मैंने उल्टा लगवाया, गरम हवा अंदर और ठंडी हवा बाहर जायेगी!

डॉक्टर: जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नहीं? मरीज: पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ: सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबैंड: तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू: बताओ वो कौन सी औरत है जिसको सौ प्रतिशत पता होता है की उसका हसबैंड कहां है? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

पापा: नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा: मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

अगर लोगों के दिल में जिंदा रहना है, तो लोगों से पैसा उधार ले लो।

कहानी

साधु और चूहा

एक गांव में एक साधु मंदिर में रहा करता था। उनकी दिनचर्या रोजाना प्रभु की भक्ति करना और आने-जाने वाले लोगों को धर्म का उपदेश देना थी। गांव वाले भी जब भी मंदिर आते, तो साधु को कुछ न कुछ दान में दे जाते थे। इसलिए, साधु को भोजन और वस्त्र की कोई कमी नहीं होती थी। रोज भोजन करने के बाद साधु बचा हुआ खाना छीकें में रखकर छत से टांग देता था। कुछ दिन बाद वह जो खाना छीकें में रखता था, गायब हो जाता था। साधु ने परेशान होकर इस बारे में पता लगाने का निर्णय किया। उसने रात को दरवाजे के पीछे से छिपकर देखा कि एक छोटा-सा चूहा उसका भोजन निकालकर ले जाता है। दूसरे दिन उन्होंने छीकें को और ऊपर कर दिया, ताकि चूहा उस तक न पहुंच सके, लेकिन यह उपाय भी काम नहीं आया। उन्होंने देखा की चूहा भोजन निकाल लेता था। एक दिन उस मंदिर में एक भिक्षुक आया। उसने साधु की परेशानी का कारण पूछा, तो साधु ने भिक्षुक को पूरा किस्सा सुना दिया। भिक्षुक ने साधु से कहा कि सबसे पहले यह पता लगाना चाहिए कि चूहे में इतना ऊंचा उछलने की शक्ति कहां से आती है। उसी रात भिक्षुक और साधु दोनों ने मिलकर पता लगाना चाहा कि आखिर चूहा भोजन कहां ले जाता है। दोनों ने चुपके से चूहे का पीछा किया और देखा कि मंदिर के पीछे चूहे ने अपना बिल बनाया हुआ है। चूहे के जाने के बाद उन्होंने बिल को खोदा, तो देखा कि चूहे के बिल में खाने-पीने के सामान का बहुत बड़ा भण्डार है। तब भिक्षुक ने कहा कि इसी वजह से ही चूहे में इतना ऊपर उछलने की शक्ति आती है। उन्होंने उस सामग्री को निकाल लिया और गरीबों में बांटा दिया। जब चूहा वापस आया, तो उसने वहां पर सब कुछ खाली पाया, तो उसका पूरा आत्मविश्वास समाप्त हो गया। उसने सोचा कि वह फिर से खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेगा। यह सोचकर उसने रात को छीकें के पास जाकर छलांग लगाई, लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण वह नहीं पहुंच पाया और साधु ने उसे वहां से भगा दिया।

7 अंतर खोजें



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष 	कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा और प्रयास सफल होंगे। व्यापार में लाभ के नए स्रोत खुलेंगे। प्रेम संबंधों में निकटता और भरोसा बढ़ेगा। वित्तीय मामलों में दिन बेहद शुभ रहेगा।	तुला 	नौकरी में प्रभाव और दायरा बढ़ सकता है। व्यापारिक रणनीतियां सफल होंगी, लाभ होगा। परिवार में सौहार्द और खुशहाली रहेगी। वित्तीय लाभ के अच्छे संकेत हैं।
वृषभ 	कार्यस्थल पर शांति और संयम से काम लें। व्यापारिक निर्णयों में सोच-समझकर कदम उठाएं। पारिवारिक अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण जरूरी है। जीवन में मधुरता बनाए रखें।	वृश्चिक 	कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर जीत हासिल होगी। व्यापार में मुनाफा बढ़ने की संभावना है। परिवार का समर्थन आपकी हिम्मत बढ़ाएगा। अचानक धन प्राप्ति के योग हैं।
मिथुन 	करियर में तरक्की के नए अवसर सामने आएंगे। व्यापार में विवेक से लिया गया फैसला लाभ देगा। दायित्व जीवन में तालमेल बेहतर रहेगा।	धनु 	रचनात्मक काम में बड़ी सफलता मिलेगी। व्यापार में नए निवेश का मन बना सकते हैं। संतान पक्ष से खुशी का समाचार प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होने के स्पष्ट योग हैं।
कर्क 	कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा। व्यापारिक यात्राएं फलदायी हो सकती हैं। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। धन लाभ के योग बने हुए हैं।	मकर 	कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां अधिक रह सकती हैं। व्यापार में लिखा-पढ़ी में सावधानी रखें। परिवार में मिलकर समस्याओं का समाधान मिलेगा। अनावश्यक व्यय पर रोक लगाएं।
सिंह 	करियर में आपकी प्रतिभा चमकेगी। व्यापार में नए सौदे लाभ पहुंचाएंगे। प्रेम जीवन में नया उत्साह देखने को मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी।	कुम्भ 	बुद्धिमान और चतुराई से जटिल काम बनेंगे। व्यापार में नए अनुबंध पर मोहर लग सकती है। मित्रों और प्रियजनों के साथ समय खुशनुमा बीतेगा। उत्साह और ताजगी बनी रहेगी।
कन्या 	कार्यस्थल पर सजगता और सावधानी रखें। व्यापार में कोई भी जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। परिवार में बड़ों के मार्गदर्शन का लाभ उठाएं।	मीन 	कार्यस्थल पर आपके विचार और सुझाव सराहे जाएंगे। व्यापार में लाभ के मौके मिलेंगे, प्रयास बढ़ाएं। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्य की चर्चा होगी।



अयोध्या में रामलला के दरबार पर यामी गौतम

यामी गौतम धर जल्द ही अपनी नई फिल्म नई नवेली के साथ दर्शकों के बीच आने वाली हैं। फिल्म की बड़ी रिलीज से ठीक पहले यामी भगवान की पावन नगरी अयोध्या पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान का आशीर्वाद लिया। यह विजिट फिल्म के 16 अक्टूबर को दशहरा से ठीक पहले सिनेमाघरों में आने से कुछ दिन पहले हुई है। पीली साड़ी पहने, एक्ट्रेस ने इस पवित्र मंदिर में पूजा-अर्चना की, जो फिल्म की रिलीज से पहले आस्था और आभार का एक पल था। भगवान राम की जन्मभूमि मानी जाने वाली अयोध्या का धार्मिक महत्व है, इसलिए बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने वाली फिल्म से पहले यह विजिट एक सही मौका था।

नई नवेली के त्योहारों के मौसम में रिलीज होने के कारण, यामी की मंदिर यात्रा ने फिल्म के प्रमोशन के सफर में एक आध्यात्मिक पहलू भी जोड़ा। यह फिल्म 16 अक्टूबर को दशहरा से ठीक पहले थिएटर में आने वाली है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है। रिलीज का समय फिल्म की मुख्य थीम से मेल खाता है, जो दर्शकों को त्योहारों के मौसम की भावना से जुड़ी कहानी पेश करती है। अयोध्या यात्रा के दौरान यामी गौतम का पारंपरिक और सादा लुक लोगों को काफी पसंद आया। उनके चेहरे की खुशी और चमक साफ बता रही थी कि वे अपनी इस आने वाली फिल्म को लेकर कितनी आश्वस्त हैं। हमेशा की तरह इस बार भी उनके शांत और शालीन अंदाज ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस फिल्म में यामी का किरदार उनके अब तक के निभाए गए सभी रोल से काफी अलग माना जा रहा है। एक बिल्कुल नई दुनिया की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म के जरिए वे दर्शकों के सामने एक नया प्रयोग पेश करने जा रही हैं। तमाम तैयारियों और फैंस के जबरदस्त उत्साह के बीच यह फिल्म इसी दशहरा से पहले यानी 16 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।



रणवीर शौरी को मिली जान से मारने की धमकी

रणवीर शौरी ने बीते दिनों सीजेपी स्ट्रीट प्रोटेस्ट की आलोचना की थी। अब एक्टर ने यह खुलासा किया है कि इसके बाद उन्हें कई तरह की धमकियां मिलनी शुरू हो चुकी हैं। अभिनेता रणवीर शौरी ने आरोप लगाया है कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन की आलोचना करने के बाद उन्हें जान से मारने की धमकियां मिली हैं। उन्होंने धमकी भरे ईमेल के स्क्रीनशॉट एक्स पर साझा किए और साइबर अधिकारियों तथा मुंबई पुलिस से मदद मांगी।

उन्होंने बताया कि एक ईमेल, जो कथित तौर पर राज परिहार नाम के किसी व्यक्ति द्वारा भेजा गया था, उसमें अपशब्दों का प्रयोग किया गया था और दावा किया गया था कि



भेजने वाला शौरी के ठिकाने और गतिविधियों पर नजर रख रहा है। भेजने वाले ने अभिनेता पर अपनी मर्जी से हमला करने की धमकी भी दी। रणवीर शौरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी

साझा की। उन्होंने लिखा, 'हैलो साइबर दोस्त, कृपया ध्यान दें कि मुझे इन दो ईमेल खातों से निम्नलिखित धमकियां प्राप्त हुई हैं। धन्यवाद।' इसके साथ उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही है। कोई है जो उनकी हर गतिविधियों पर नजर रख रहा है। अभिनेता के पोस्ट के बाद मुंबई पुलिस ने उनके पोस्ट का जवाब दिया और उनसे डायरेक्ट मैसेज के जरिए अपने संपर्क विवरण साझा करने को कहा। शौरी ने कार्रवाई के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया और धमकियों के संबंध में एक आधिकारिक शिकायत भी दर्ज कराई। कुछ दिनों पहले एक्टर रणवीर शौरी ने सीजेपी के स्ट्रीट विरोध प्रदर्शन की आलोचना की थी।

महाराष्ट्र साइबर ने रैपर और सिंगर हनी सिंह को नया समन भेजा है। इसमें उन्हें एक परफॉर्मेंस के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने की शिकायत के सिलसिले में 16 अक्टूबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने और पूछताछ में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। महाराष्ट्र साइबर के एक सीनियर अधिकारी ने पुष्टि की कि सिंह को पूछताछ के लिए समन भेजा गया है।

यह नया समन तब भेजा गया है जब सिंह को पहले तीन बार समन भेजे जाने के बावजूद वे जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए। सूत्रों के मुताबिक, सिंगर ने विदेश में होने के कारण पेश न हो पाने की बात कही थी।

कथित टिप्पणी के बाद, एक शिकायतकर्ता ने महाराष्ट्र साइबर से संपर्क किया और सिंगर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। अब सिंह को जांच में शामिल होने के लिए 16 अक्टूबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है।

दरअसल पूरा मामला 2026 दिल्ली में हुए हनी

सिंह के कॉन्सर्ट से जुड़ा हुआ है। कॉन्सर्ट से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसमें हनी सिंह आपत्तिजनक कमेंट करते हुए नजर आए थे। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद हनी सिंह ने एक वीडियो जारी कर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि वीडियो एडिट किया गया है।



मुश्किल में फंसे योयो हनी सिंह

रश्मिका मंदाना ने 400 परिवारों को लिया गोद

रश्मिका मंदाना की फिल्म 'रणबाली' जल्द रिलीज होने वाली है। इससे पहले एक्ट्रेस ने फैंस का दिल जीतने वाला काम कर दिखाया है। उन्होंने 400 परिवारों को गोद लिया है। अब वह तीन-तीन महीने की किस्तों में उनके राशन का खर्च उठाएंगी। इससे वह बाकि लोगों को भी इस तरह के नेक काम करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।

रश्मिका मंदाना ने अपनी इस सामाजिक सेवा की जानकारी सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। उन्होंने लिखा, 'आप जिन किरदारों को निभाते हैं, उनमें कुछ ऐसा होता है जो आपको प्रभावित करते हैं। आपमें से कई लोग मुझसे पूछते रहते हैं कि क्या जयम्मा और मुझमें कोई समानता है? मेरा जवाब है हां -



और यह उनमें से एक है। यह हमेशा से मैं रही हूं और यह वह भी है और मैं हमेशा आपके प्यार के लिए इस तरह की चीजें करती रहूंगी... लेकिन मैंने इसे हमेशा गुप्त रखा क्योंकि मुझे लगता था कि अगर सिर्फ मुझे, मेरी टीम को और हममें से कुछ लोगों को पता हो तो काफी है। लेकिन अब मैं इस बारे में खुलकर बात कर रही हूं क्योंकि मैं सोच रही हूं, अगर इससे आप सभी प्यारे लोगों को भी ऐसा कुछ करने की प्रेरणा मिले तो मुझे खुशी होगी।'

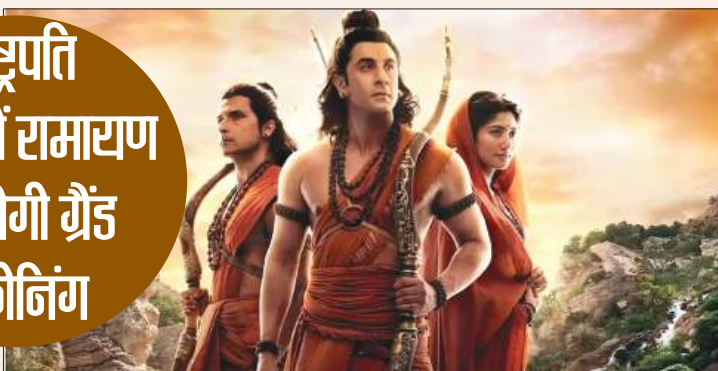
आगे अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मैंने सोचा कि क्यों न अभी से शुरुआत की जाए। आज मैंने 400 परिवारों को गोद लिया है और मैं एक बार में 400 परिवारों की 3 महीने तक मदद करना चाहती हूं और अगले एक साल तक इसे जारी रखना चाहती हूं। मुझे उम्मीद है कि वे किराने के सामान पर होने वाले खर्च को बचाकर अपने भविष्य की बेहतर योजना बना सकेंगे। दयालुता का एक छोटा सा काम भी किसी के जीवन को बदल सकता है और इसके लिए बड़ा होना जरूरी नहीं है। चलिए हम सब एक छोटी सी शुरुआत करें।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की अदाकारी वाली तेलुगु पीरियड ड्रामा फिल्म रणबाली में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन हैं। इसमें रश्मिका मंदाना ने जयाम्मा का किरदार निभाया है। वहीं विजय देवरकोंडा ने रणबाली का किरदार निभाया है।

रणवीर कपूर की रामायण को लेकर फैंस के बीच पहले से ही जबरदस्त एक्साइटमेंट है। फिल्म में रणवीर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण के किरदार में नजर आने वाले हैं। अब इस फिल्म को लेकर एक ऐसी खबर सामने आई है, जो इसकी चर्चा को और बढ़ा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज के दिन दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में इसकी खास स्क्रीनिंग करने की तैयारी चल रही है। अगर ऐसा होता है, तो रणवीर कपूर की इस मेगा बजट फिल्म के लिए यह एक बड़ा मौका होगा।

मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक,

राष्ट्रपति भवन में रामायण की होगी ग्रैंड स्क्रीनिंग



रामायण- पार्ट 1 के मेकर्स राष्ट्रपति भवन में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए जरूरी मंजूरी लेने की कोशिश की जा रही है। खास बात यह है कि इस स्क्रीनिंग के लिए 5 नवंबर 2026 की तारीख पर विचार किया

जा रहा है, जिस दिन फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस खास स्क्रीनिंग में फिल्म के लीड स्टार्स रणवीर कपूर, साई पल्लवी और यश के साथ डायरेक्टर नितेश तिवारी भी शामिल हो सकते हैं।

मोनालिसा ने दिया पावरफुल रिमाइंडर

शारदीय नवरात्रि चल रहे हैं। श्रद्धालु माता रानी की भक्ति में लीन हैं। इन दिनों गरबा भी खेला जाता है। इंडस्ट्री में भी इन पावन दिनों में खूब रौनक देखी जाती है। भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा ने अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। मोनालिसा साड़ी में ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ हैवी ज्वेलरी

पहनी है। तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने फैंस को एक खास मैसेज दिया है। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा है, नवरात्रि। नौ रातें...एक जरूरी बात, जो याद रखनी चाहिए। आप जिस दौर, जिस समय से गुजर रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं। पिक और ग्रीन कलर की साड़ी में मोनालिसा हंसती-मुस्कुराती हुई पोज दे रही हैं। वे अपना मेकअप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के लिबास की फैंस तारीफ कर रहे हैं।



बिहार में नाव हादसे पर सियासी संग्राम

» तेजस्वी यादव बोले- इसमें जिसकी भी गलती हो उसे सजा मिले

» चिराग बोले - दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

पटना। बिहार में हुए नाव हादसे के बाद

वहां पर सियासी संग्राम छिड़ गया

है। जहां विपक्ष ने एनडीए

सरकार को घेरा है तो वहीं

उसके सहयोगी दल भी सीएम

सम्राट चौधरी पर निशाना साध

रहे हैं। दोनों ही ओर आरोप

लगाया जा रहा है कि लापरवाही

की वजह से इतना बड़ा हादसा हो गया।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट

कर संवेदना व्यक्त की। शाम को वह दिल्ली से

पटना पहुंचे और पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से

बात करते हुए सरकार पर बड़ा हमला किया है।

उन्होंने कहा कि कई बातें सामने आई हैं, नाव

में पानी भर गया था, लेकिन रात में नाव कैसे

चल रही थी यह भी एक बड़ा सवाल है। तेजस्वी

यादव ने कहा कि जिसकी वजह से नाव डूब गई

उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस तरह की

घटना हुई, इसमें जिसकी भी गलती हो सब की

जांच होनी चाहिए।

तेजस्वी यादव ने कहा कि हम बहुत

विपक्ष के साथ सरकार के सहयोगी दल भी भड़के

राजद नेता ने घटना पर जताया शोक

तेजस्वी यादव ने पहले घटना पर शोक जताया और कहा कि कल रात मैं हमको जानकारी मिली, उसी वक्त हमारी पार्टी के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए थे। हमने उस वक्त वैशाली जिला अधिकारी से बात की। इस

हादसे में जितने बच्चों की मौत हुई है और उनके मां की गोद सूनी हुई है उनके लिए संवेदना है। उन्होंने आगे कहा कि जो जानकारी मिली है कि रेस्क्यू टीम काफी लंबे पहुंची थी तो अखिर लेट पहुंचने का कारण

वया था। इस पर मैं आगे बात करूंगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर मामले पर धरना चल रहा था। उसमें हम दिल्ली गए थे और वहीं थे। अभी आए हैं और तुरंत हम राधोपुर के लिए निकल रहे हैं।

भी आर्थिक मदद दी जाएगी। वहीं हाजीपुर

के सांसद पासवान ने कहा कि सोमवार देर

रात घटना की खबर मिलने के बाद से ही

वे स्थानीय प्रशासन और

प्रभावित परिवारों के

संपर्क में हैं। उन्होंने

इस बात की जांच

की ज़रूरत पर भी

जोर दिया कि क्या

इसमें कोई लापरवाही

हुई है, क्योंकि ऐसी

शिकायतें मिली हैं

कि नाव की

मांग

अधिकारियों की लापरवाही से हुआ हादसा : पासवान

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार के वैशाली जिले में नाव पलटने की घटना में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। इस हादसे में 15 साल या उससे कम उम्र के कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। पासवान ने कहा कि केंद्र और बिहार सरकारें यह सुनिश्चित करेंगी कि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द हर संभव मदद मिले। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा करते हुए, उन्होंने बचाए गए बच्चों से मुलाकात की और उनके

परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस मुश्किल समय में सही इलाज और मदद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पलके इशारे के साथ यहाँ आए हैं कि मर्ती बच्चों के इलाज में कोई कमी न रहे। हमने बुरे से बुरे सपने में भी कभी नहीं सोचा था कि ऐसी दिल दहला देने वाली घटना होगी, जिसमें इतने सारे मासूम बच्चों की जान चली जाएगी।

भारत की हार, वेस्टइंडीज की सीरीज में बराबरी

» होप के शतक व पॉल के पंजे की बदौलत 24 रन से टीम इंडिया को हराया

4पीएम न्यूज नेटवर्क

हैदराबाद। शाई होप के तूफानी शतक और

कीमो पॉल की घातक गेंदबाजी के दम पर

वेस्टइंडीज ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

में भारत को 24 रन से हरा दिया। इस जीत

के साथ मेहमान टीम ने पांच मैचों की सीरीज

में 2-2 से बराबरी कर ली। हैदराबाद में बुधवार

को खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते

हुए वेस्टइंडीज ने शाई होप के नाबाद 102 रन

और शेरफेन रदरफोर्ड की आक्रामक पारी की

बदौलत तीन विकेट पर 247 रन का विशाल

स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम संजू

सैमसन की तूफानी अर्धशतकीय पारी के

बावजूद 19.3 ओवर में 223 रन पर सिमट

गई। वेस्टइंडीज के लिए कीमो पॉल ने पांच

विकेट लेकर भारत की बल्लेबाजी को बड़ा

झटका दिया।

होप ने महज 50 गेंदों में नाबाद 102

रन बनाए। वहीं, रदरफोर्ड ने 26

गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए।

होप और रदरफोर्ड ने चौथे

विकेट के लिए महज 43 गेंदों

में 91 रन की नाबाद साझेदारी

कर वेस्टइंडीज को 247 रन

तक पहुंचाया। 248 रन के

विशाल लक्ष्य का पीछा करने

उतरी भारतीय टीम को संजू

सैमसन ने 23 गेंदों में 56 रन

बनाए और वेस्टइंडीज के

गेंदबाजों पर दबाव बनाने

की कोशिश की। हालांकि,

उनके आउट होने के बाद

भारत की रन गति और

विकेटों के बीच संतुलन बिगड़

गया। तिलक वर्मा ने 43 रन की

अर्शदीप हुए रिटायर्ड हर्ट

वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रेयस अय्यर ने तीन गेंदें शेष रहते पारी घोषित की। वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक दुर्लभ फैसला लेते हुए तीन गेंदें बाकी रहते ही भारत की पारी घोषित कर दी। अर्शदीप सिंह कंधे की चोट से जुड़ रहे थे और टीम से बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे थे, इसलिए श्रेयस ने बल्लेबाजों को वापस बुलाते और पारी को समय से पहले समाप्त करने का निर्णय लिया। यह पहला मौका था जब किसी कप्तान ने ओवर शेष रहते टी20 मैच में पारी घोषित की हो। दूसरी ओर, बाल-बाल बचने के बाद अर्शदीप आगे बल्लेबाजी करने में असमर्थ रहे। वह पांच रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। शनिवार को बंगलूरु में होने वाले सीरीज के निर्णायक मुकाबले में यदि अर्शदीप खेलने के लिए फिट नहीं हो पाते हैं, तो यह चोट भारत के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है।

पारी खेलकर संघर्ष किया, लेकिन दूसरे छोर

से उन्हें लगातार सहयोग नहीं मिला। भारतीय

बल्लेबाज नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते

रहे और पूरी टीम 19.3 ओवर में 223 रन पर

ऑलआउट हो गई। वेस्टइंडीज की ओर से

कीमो पॉल ने 41 रन देकर पांच विकेट झटके।

उनके इस प्रदर्शन ने भारत की लक्ष्य

तक पहुंचने की उम्मीदों

पर पानी फेर

दिया।

एक साथ पत्रकारिता व शोध असाधारण कार्य: श्रीवास्तव

» भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का समापन
» पीएचडी करने वालों का अभिनंदन एवं रिपोर्टिंग प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

इंदौर। आयुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग मप्र एवं

साहित्यकार मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि

पत्रकारिता में लगी बीमारियों को दूर करने की

आवश्यकता है। यह कार्य पूर्णकालिक पत्रकारों

को करना चाहिए जो कि पत्रकारिता करने के

साथ-साथ शोध भी कर रहे हैं। श्रीवास्तव स्टेट

प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा आयोजित भारतीय

पत्रकारिता महोत्सव की समापन बेला में डॉ. ओम

नागपाल एवं श्रीमती वीणा नागपाल स्मृति

अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह में पीएचडी कर चुके पत्रकारों और



पत्रकारिता शिक्षकों का अभिनंदन किया गया।

मुख्य अतिथि श्रीवास्तव ने कहा कि

पत्रकारिता और शोध अलग-अलग लगते

हैं। दोनों को साथ करना एक असाधारण

काम है। समाज को धीमा सत्य और तेज

सत्य के बीच पुल बनाना ज़रूरी है। उन्होंने

कहा कि गीता के एक श्लोक में भी

पत्रकारिता को परिभाषित किया गया है।

पत्रकारों को गहराई में डुबकी लगाना होता

है। शोध करने वाले इस गहराई में उतरते हैं।

एक लाख के नगद पुरस्कार

महोत्सव के दौरान वरिष्ठ पत्रकार देवदत्त मिश्रा, मिलिंद खादेकर एवं शिशिर सिन्हा की मास्टर ब्लास की तात्कालिक रिपोर्टिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को 1 लाख रुपए के नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में तीन प्रथम पुरस्कार प्रत्येक 150000 रु., तीन द्वितीय पुरस्कार प्रत्येक 70000 रु., तीन तृतीय पुरस्कार प्रत्येक 50000 रु. और छः प्रोत्साहन पुरस्कार प्रत्येक 30000 रु. के दिए गए। इसके साथ ही महोत्सव में भाग लेने वाले करीब 300 प्रतिभागियों एवं उनके शिथकों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

उन्होंने टीवी बहस पर खास करके प्राइम

टाइम बहस पर तंज भी किया। उन्होंने कार्ल

मार्क्स का जिक्र करते हुए कहा कि आप

उनसे सहमत हो या न हो लेकिन वे शोध

वाले पत्रकार थे। उन्होंने दुनिया में विचार

को ही एक अलग रास्ता दिया। कार्यक्रम के

अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक

विश्लेषक रशीद क़िदवई ने कहा कि आने

वाला वक्त पत्रकारों के लिए कठिन है।

दिल्ली में आंदोलन के दौरान पत्रकारों की

फजीहत हो रही है।

पंचायत चुनाव के लिए कांग्रेस ने फूंकवा बिगुल

» डेटासरा और जूली बोले- पुराना प्रदर्शन दोहराएं कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज नेटवर्क

झालावाड़। राजस्थान में पंचायती राज चुनाव की

तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक

गतिविधियां तेज कर दी हैं। झालावाड़ जिले के

भवानीमंडी स्थित एक निजी रिसॉर्ट में कांग्रेस

प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा और नेता

प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने नगर ब्लॉक और

विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ

बैठक की। इस दौरान आगामी चुनाव की रणनीति

पर चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने कार्यकर्ताओं से

एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरने और नगर

निकाय चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन को पंचायती

राज चुनाव में भी दोहराने का आह्वान किया।



बैठक में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा

सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने

किसानों को मुआवजा, पेंशन, पालनहार

योजना और मनरेगा जैसे मुद्दे उठाते हुए

सरकार को घेरा। कार्यक्रम के दौरान

प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा और नेता

प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का स्वागत भी किया

गया। बैठक को संबोधित करते हुए नेता

प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार

पर भ्रष्टाचार और झूठ की राजनीति करने का

आरोप लगाया।

अंकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लेने पर बवाल

नेता प्रतिपक्ष राहुल व प्रियंका गांधी ने दिया समर्थन, इंडिया गेट पर मिलने पहुंचे

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया

» भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने का भी विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की गुहार लगा रहे उनके माता-पिता को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के बाद राजनीति गरमा गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने इंडिया गेट पहुंचकर अंकिता भंडारी के माता-पिता से मुलाकात की तथा न्याय की उनकी मांग के प्रति समर्थन जताया।

उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित रूप से जुड़े एक 'वीआईपी' की भूमिका को लेकर सवाल उठाते रहे पीड़िता के माता-पिता ने दिल्ली



अंकिता की हत्या के समय गौतम भाजपा के उत्तराखंड प्रभारी थे

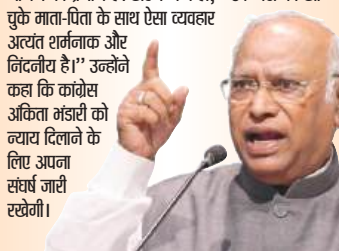
सितंबर, 2022 में अंकिता की हत्या के समय गौतम भाजपा के उत्तराखंड प्रभारी थे। राहुल और प्रियंका बुधवार देर शाम करीब साढ़े सात बजे इंडिया गेट पहुंचे और अंकिता के माता-पिता से मुलाकात की। उन्होंने न्याय की लड़ाई में पूरे सहयोग का भरोसा दिया। इस मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि चार साल बीतने के बावजूद परिवार को न्याय नहीं मिला है।

में इंडिया गेट पर धरना दिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए

जाने का विरोध किया है। उनका दावा है कि इस पूरे प्रकरण में जिस वीआईपी की बात सामने आई थी, वह गौतम जी हैं।

कायरता और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने इस घटना को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे मोदी सरकार की कायरता और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा करार दिया। खरगे का यह बयान उस समय आया जब अंकिता के माता-पिता सिक्किम के नए राज्यपाल के रूप में दुष्यंत कुमार गौतम की नियुक्ति के विरोध में इंडिया गेट के पास शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि न्याय की गुहार लगाने वाले अंकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लिया गया, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े एक 'वीआईपी' को राज्यपाल का पद दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि यह "टमन" सरकार की ताकत नहीं, बल्कि सवाल से भागने का प्रमाण है। खरगे ने कहा, "एक बेटी को खो चुके माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।



चार साल से भंडारी परिवार को न्याय नहीं मिला, आरोपी को पद मिला : राहुल

नेता प्रतिपक्ष राहु गांधी ने 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में भाजपा पर निशाना साधते हुए लिखा कि चार साल से भंडारी परिवार को न्याय नहीं मिला, लेकिन एक वीआईपी आरोपी को संरक्षण और संवैधानिक पद का इनाम जरूर मिल गया। उन्होंने कहा, जहां बलात्कारियों और हत्यारों का फूल-मालाओं से स्वागत होता है और अपराधियों को सत्ता की ताकत से नवाजा जाता है - उस महिला-विरोधी भाजपा से कोई उम्मीद की भी नहीं जा सकती। उन्होंने कहा, "आज अंकिता के माता-पिता अपनी बच्ची के लिए न्याय की गुहार लेकर अपने घर से मीलों दूर इंडिया गेट पर बैठे हैं। मैं और कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़े हैं, उनके दुख में भी और इसाफ की इस लड़ाई में भी।" कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने इससे पहले अगस्त में भंडारी के माता-पिता से मुलाकात की थी और कहा था कि चार साल बीत चुके हैं और वे अब भी अपनी बेटी के साथ हुए अश्रम अपराध के लिए न्याय का इंतजार कर रहे हैं। अगर, कांग्रेस ने एक पोस्ट में दावा किया है कि वर्ष 2022 के अंकिता भंडारी हत्याकांड के सिलसिले में भाजपा के तत्कालीन उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम पर आरोप लगे थे। पार्टी ने गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार पर उन्हें बचाने का आरोप लगाया है।

नेहा बोरा के बांग्लादेश ने रास्ता दिखाया बयान पर घमासान

» भाजपा बोली- राहुल गांधी का मकसद रिजिम चेंज करना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी की ओर से राहुल गांधी की पोस्टर गर्ल कही जा रही आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा के एक बयान को लेकर नया सियासी बवाल खड़ा हो गया है। बीजेपी ने बांग्लादेश के जेनजी आंदोलन पर नेहा के बयान को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। दरअसल नेहा बोरा के एक इंटरव्यू का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह कह रही हैं कि बांग्लादेश में हुए जेनजी आंदोलन ने भारत के नौजवानों को भी रास्ता दिखाया है। नेहा ने बांग्लादेश के आंदोलन को लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकार से जोड़ते हुए कहा कि आज भारत में भी यही मुद्दे सामने हैं।

इसी बयान के आधार पर बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनका पूरापॉलिटिकल इको सिस्टम राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि भारत में रिजिम चेंज चाहता है। वायरल वीडियो में नेहा बोरा बांग्लादेश में हुए जेनजेड आंदोलन का जिक्र करती नजर आ रही हैं। नेहा कहती हैं, हम सब जानते हैं कि जो जेन जेड मूवमेंट आपको देश में दिखाई दे रहा है, वो पहले बांग्लादेश में शुरू हुआ था। मैं उन्हें बधाई देती हूँ कि आपने हमें रास्ता और हमारे देश के नौजवानों को रास्ता दिखाया है। नेहा बोरा आगे बांग्लादेश के आंदोलन को लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकार से जोड़ती हैं। उनका कहना है कि बांग्लादेश में आंदोलन इन्हीं मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था और आज भारत में भी ऐसी ही बातें सामने आ रही हैं।

दीपके-सौरव व आशुतोष पर एससी-एसटी एक्ट में केस

» एफआईआर में आरोप- एसपी के लिए अपमानजनक और जातिसूचक शब्दों का किया गया इस्तेमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पार्टी के इन नेताओं और कुछ स्वतंत्र पत्रकारों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईआर में स्वतंत्र पत्रकार रोजी और गजेंद्र सिंह के साथ ही सीजेपी के अभिजीत



दीपके, सौरव दास, आशुतोष रांका और रत्ना सिंह को नामजद किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के कर्नाट प्लेस सब-डिवीजन के एसपी विवेक भगत की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में आरोप है कि एसपी के

गिरफ्तारी के विरोध में 16 अक्टूबर को तिरंगा मार्च

सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के विरोध में सीजेपी ने 16 अक्टूबर को दिल्ली के कर्नाट प्लेस में तिरंगा मार्च निकालने का ऐलान किया है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने इसकी जानकारी दी।

लिए अपमानजनक और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, ये आरोप हैं और मामले में आगे की कार्रवाई पुलिस की जांच के आधार पर होगी। इस बीच, आशुतोष रांका और सौरव दास को जंतर-मंतर में प्रतिबंध के बावजूद प्रवेश करने और सुरक्षा घेरा तोड़ने के मामले में पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दोनों को तिहाड़ जेल ले जाया गया है।

निर्वाचन आयोग को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

» सुप्रीम कोर्ट बोला- कोई भी न्यायपालिका को धौंस नहीं दिखा सकता

» राहुल के धरने का उल्लेख होने पर सीजेआई की टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को निर्वाचन आयोग और अन्य को एक नोटिस जारी किया है। यह नोटिस लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं द्वारा दायर एक याचिका पर दिया गया है, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित तौर पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने इस याचिका पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

पुलिस कमिशनर ने सुप्रीम कोर्ट में रखी अपनी बात



कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी से जवाब मांगा है।

सुनवाई के दौरान राहुल गांधी और अन्य नेताओं के कथित एसआईआर अनियमितताओं के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक मार्च का जिक्र होने पर सीजेआई ने कहा, कोई भी न्यायपालिका

वर्षों नहीं दी गई? उन्होंने कहा कि 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान बड़े पैमाने पर हुई हिंसा, अभिजीत दीपके और सौरभ दास समेत अन्य सीजेपी नेता अपने समर्थकों को नियंत्रित करने में विफलता और 6 से 8 अक्टूबर के लगातार प्रदर्शनों के कारण मध्य दिल्ली में पैदा हुई गंभीर यातायात समस्या को देखते हुए अनुमति देने से इनकार किया गया था। ऐसी आशंका थी कि अगर 10 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन की इजाजत दे देते, तो हालात 20 जुलाई से भी खराब हो सकते थे। पुलिस कमिशनर अनुराग कुमार ने कहा कि राष्ट्रपति भवन, संसद, सुप्रीम कोर्ट, विभिन्न दूतावासों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों की मौजूदगी के कारण मध्य दिल्ली अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। यहाँ सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम करने पड़ते हैं और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है।

को दबाव में नहीं डाल सकता। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने अदालत में राजनीतिक जुलूस और उसके घटनाक्रम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि करीब 200 वकीलों ने इस तरह के दबाव बनाने के प्रयास पर चिंता जताते हुए ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पर सीजेआई

अदालत के सामने हर आवाज कीमती

एसआई से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में हो रहे विरोध प्रदर्शन से जुड़ी याचिकाओं पर भी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इस अदालत के सामने हर आवाज कीमती है और सबकी बात सुनी जाएगी। इसके साथ ही अदालत ने जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की तय जगह के रूप में हटाए जाने (डी-नोटिफिकेशन) को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता के आवरण पर कोर्ट ने जताई आपत्ति

कोर्ट ने 13 याचिकाकर्ताओं में से एक के आवरण पर भी कड़ी आपत्ति जताई है। इन याचिकाकर्ताओं ने उस तरीके को चुनौती दी है, जिससे आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कर रहा है। विपक्षी नेताओं की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए, सीजेआई ने कहा, हम याचिकाकर्ताओं में से एक से उसके आवरण के बारे में पूछना चाहेंगे।

सूर्यकांत ने कहा कि अदालत ऐसी घटनाओं से अनजान नहीं है और वह एकांतवास में नहीं है, हमें पता है कि बाहर क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कमजोर प्रयासों पर कोई ध्यान नहीं देता, जबकि अदालत बाहर दिए जा रहे बयानों से भी अवगत है।